

भारत सरकार  
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1853

बुधवार, 11 फरवरी, 2026 को उत्तर देने के लिए

इन-स्पेस द्वारा निजी क्षेत्र की भागीदारी की सुगमता

1853. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी:

श्री तंगेला उदय श्रीनिवास:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) की स्थापना से लेकर अब तक स्टार्ट-अप्स सहित निजी क्षेत्र की कितनी संस्थाओं को प्राधिकार प्रदान किया गया है और उनकी कार्यकलापों जैसे क्षेत्र जैसे प्रक्षेपण यान, उपग्रह, पेलोड, भू-प्रणाली का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) परियोजना के प्रकार (विनिर्माण, अनुसंधान और विकास, उपग्रह प्रक्षेपण, परीक्षण सुविधाएं आदि), अनुबंधों और अवधि के मूल्य सहित निजी कंपनियों के लिए अनुमोदित अनुबंधों, प्राधिकारों अथवा परियोजनाओं का वर्ष-वार और गतिविधि-वार ब्यौरा क्या है;
- (ग) इन-स्पेस द्वारा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अंशदान सहित निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से वर्षवार कितना राजस्व अथवा आर्थिक मूल्य प्राप्त किया गया है;
- (घ) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और वाणिज्यिक उपग्रह और प्रक्षेपण सेवाओं सहित निजी कंपनियों और स्टार्ट-अप्स के बीच सहयोगात्मक पहलों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) अंतरिक्ष विनिर्माण सेवाओं और नवाचार के लिए एक वैश्विक केन्द्र के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्राधिकार, विनियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और निजी भागीदारी को और बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय  
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री  
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

\*\*\*\*

..2..

(क) भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस ) द्वारा अपनी स्थापना के बाद से अब तक प्राधिकार प्रदान की गई निजी क्षेत्र की संस्थाओं (एनजीई) की संख्या और उनके कार्यकलापों के क्षेत्र का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्षेत्र	विवरण	2022	2023	2024	2025	2026
अनुप्रयोग	भारतीय भूभाग और <=30 सेमी जीएसडी से संबंधित प्राथमिक डेटा का प्रसार	0	0	2	1	0
उपग्रह	शौकिया उपग्रह की स्थापना और प्रचालन	2	1	1	0	5
भू-प्रणालियां	भू स्टेशन(नों) की स्थापना और प्रचालन	0	0	5	3	4
उपग्रह	सुदूर संवेदन उपग्रह की स्थापना और प्रचालन	0	0	3	3	2
उपग्रह	संचार और सुदूर संवेदन उपग्रह प्रणालियों के अतिरिक्त अंतरिक्ष वस्तुओं की स्थापना और प्रचालन	0	0	0	0	0
उपग्रह	संचार उपग्रह की स्थापना और प्रचालन	0	0	1	0	0
उपग्रह (होस्टेड )	होस्टेड पेलोड	2	9	10	0	1
उपग्रह	गैर-भारतीय जीएसओ और/या एनजीएसओ उपग्रह/उपग्रह समूह	0	1	10	24	1
प्रक्षेपण यान	भारतीय भूभाग से कक्षीय/उप-कक्षीय प्रक्षेपण करना	1	0	2	0	0
	<b>कुल</b>	<b>5</b>	<b>11</b>	<b>34</b>	<b>31</b>	<b>13</b>

(ख) निजी कंपनियों के लिए स्वीकृत अनुबंधों या परियोजनाओं का विवरण, जिसमें परियोजनाओं के प्रकार जैसे विनिर्माण, अनुसंधान और विकास, उपग्रह प्रक्षेपण, परीक्षण सुविधाएं आदि, के साथ-साथ अनुबंधों के मूल्य और अवधि शामिल हैं, निम्नानुसार हैं :

..3/-

क्र. सं.	परियोजनाओं/ अनुबंधों का विवरण	उन कंपनियों के नाम जिन्हें परियोजना/अनुबंध दिए गए	प्रकार	अनुबंधों/ परियोजनाओं के मूल्य	अवधि
1.	पीपीपी मॉडल पर भू प्रेक्षण (ईओ) उपग्रह समूह की स्थापना	मेसर्स पिक्सल स्पेस के नेतृत्व वाला संघ, जिसमें मेसर्स ध्रुव स्पेस, मेसर्स सैटशोर एनालिटिक्स इंडिया और मेसर्स पियरसाइट स्पेस शामिल हैं	उपग्रह	सरकार की ओर से शून्य मूल्य	4 वर्ष
2.	लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) पर उपग्रह प्रक्षेपण करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता	मेसर्स हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल)	प्रक्षेपण	रुपये 511 करोड़	10 वर्ष

प्राधिकार के संबंध में, निजी क्षेत्र की संस्थाओं (एनजीई) की संख्या का विवरण जिन्हें इन-स्पेस द्वारा अपनी स्थापना के बाद से प्राधिकरण प्रदान किया गया है, **उपरोक्त (क) के तहत** प्रदान किया गया है।

- (ग) निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से उत्पन्न राजस्व और आर्थिक मूल्य का आकलन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के सहयोग से किया जा रहा है। हालांकि, स्टार्टअप्स द्वारा कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान लगभग 150 मिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश जुटाया गया है और शीर्ष 10 अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के पास लगभग 150 मिलियन अमरीकी डॉलर के पक्के ऑर्डर बुक हैं।
- (घ) 31 जनवरी, 2026 तक, इसरो के 71 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्टार्टअप सहित उद्योग जगत को इन-स्पेस के माध्यम से सुगम बनाए गए हैं।
- (ङ) इन-स्पेस ने इसरो और अंतरिक्ष विभाग के साथ घनिष्ठ समन्वय में, अंतरिक्ष विनिर्माण सेवाओं और नवाचार को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, भारतीय निजी संस्थाओं को इसरो की परीक्षण सुविधाएं, प्रौद्योगिकियां और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक तंत्र स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, अंतरिक्ष गतिविधियाँ संचालित करने के लिए प्राधिकरण प्राप्त करने की इच्छुक निजी कंपनियों को स्पष्टता और पारदर्शिता प्रदान करने हेतु, इन-स्पेस द्वारा प्राधिकरण से संबंधित मानदंड, दिशानिर्देश एवं प्रक्रियाएँ (एनजीपी) जारी की गई हैं।